मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्धात्मक अध्ययन

***सायमा एवं **डॉ.बीना इन्द्राणी**

विद्यार्थी (एम.ए), शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

असिस्टेंट प्रोफेसरए शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

सारांश

यह शोध पत्र मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्धात्मक अध्ययन का विश्लेषण करता है शोध का उद्देश्य मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। जो वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि पर आधारित है। अध्ययन में उद्देश्यपरक न्यादर्शन प्रविधि द्वारा 100 मुस्लिम छात्राओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को ज्ञात करने के लिए उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य उपकरण तथा अकादमिक उपलब्धि के लिए उनके शैक्षिक परिणामों को लिया गया। आंकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रतिशत प्रविधि, कार्ल पियर्सन गुणांक सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया है। शोध निष्कर्ष से यह ज्ञात हुआ कि अधिकांशतः छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य तथा शैक्षिक उपलब्धि मध्यम स्तर का है इस प्रकार छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।

संकेत शब्द– मदरसा,मानसिक स्वास्थ्य, अकादमिक उपलब्धि, मुस्लिम छात्राएं।

प्रस्तावना :–

भारत में मदरसों की संख्या वर्ष 2018–19 तक भारत में कुल 24010 मदरसे थे, जिनमें से 19ए132 को मान्यता प्राप्त थी, जबकि 4,878 गैर–मान्यता प्राप्त थे। मान्यता प्राप्त मदरसे राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड से संबद्ध होते हैं जबकि गैर–मान्यता प्राप्त मदरसे दारुल उलूम नदवतुल उलमा (लखनऊ) और दारुल उलूम देवबंद जैसे प्रमुख मदरसों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करते हैं। देश में सबसे अधिक मदरसे उत्तर प्रदेश में हैं, जहाँ 11,621 मान्यता प्राप्त और 2,907 गैर–मान्यता प्राप्त मदरसे हैं, जो भारत के कुल मदरसों का 60% है। मदरसों में शिक्षा मुख्यधारा के स्कूल और उच्च शिक्षा की संरचना को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें छात्र मौलवी (कक्षा 10 के समकक्ष), आलिम (कक्षा 12 के समकक्ष), कामिल (स्नातक डिग्री के समकक्ष) तथा फाजिल (मास्टर डिग्री के समकक्ष) जैसे विभिन्न स्तरों से आगे बढ़ते हैं। मदरसा दरसे निजामी में शिक्षण का माध्यम अरबी, उर्दू और फारसी है, जबकि मदरसा दरसे आलिया में राज्य पाठ्य पुस्तक निगमों द्वारा प्रकाशित या राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का उपयोग किया जाता है। मदरसा शिक्षा बोर्ड अन्य शिक्षा बोर्ड की तरह बहुत सुविधाएँ नहीं प्रदान करा पाती है जिस कारण मदरसा में छात्रों का नामांकन कम होता है 2020–21 में उच्च शिक्षा में मुस्लिम छात्रों में 85% से अधिक गिरावट दर्ज किया गया है कई मुस्लिम छात्र कम आय वाले परिवार से आते है जो इनके अकादमिक उपलब्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। (शिक्षा प्रणाली में मदरसा की भूमिका –Drishti IAS)

शोध की आवश्यकता :–

मदरसा शिक्षा कार्यक्रम के प्रति विभिन्न आयामों पर अनेक शोधकर्तों ने समय–समय पर शोध कार्य किये है पूर्ववत किये गए शोध कार्यों के आधार पर मुमताज, ठाकुर, एवं गजपाल (2024) द्वारा किए गए, शोध कार्य में पाया गया कि मुस्लिम महिलाओं को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करने की नितांत आवश्यकता है ताकि शिक्षा प्राप्त कर वे अपनी समस्याओं का समाधान करते हुये देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। हुसैन, अहमद, एवं नेहाल (2024) के शोध कार्य में देखा गया कि भारत के अल्पसंख्यक समुदायों के भीतर एक हाशिए पर पड़े समूह के रूप में मदरसा समुदाय को अत्यधिक सामाजिक–आर्थिक और कम साक्षरता चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फात्मा (2011) के अध्ययन में से निष्कर्ष निकला कि भारत एवं उत्तर प्रदेश में मुस्लिम स्त्री शिक्षा की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन से ज्ञात है कि मुस्लिम स्त्रियों में अशिक्षित स्त्रियों का दर अधिक है।

इन सभी शोध से यह निष्कर्ष निकलता है कि मदरसा शिक्षा के दृष्टिकोण पर शोध का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। पूर्ववर्ती अध्ययनों में अधिकांश शोध मदरसा शिक्षा की स्थिति, मुस्लिम महिलाओं की साक्षरता दर तथा उनके समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। 2022 तथा 2024 के नवीनतम अध्यायों में मदरसा शिक्षा पर केंद्रित अध्ययनों में महिलाओं को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता, मदरसा समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली डिजिटल दूरस्थ शिक्षा चुनौतियाँ आदि पर शोध अध्ययन किए गए है। वर्तमान शोध अध्ययन में मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। जिस पर कम शोध की अनुपलब्धता के कारण इस अध्ययन की आवश्यकता है।

शोध प्रश्न :–

1. मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का स्तर कैसा होगा ?
2. मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के अकादमिक उपलब्धि का स्तर कैसा होगा?

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।
2. मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के अकादमिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना ।

अध्ययन की परिकल्पना :–

- मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध नहीं है।

शोध प्रविधि :–

प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति मात्रात्मक है जिसमें वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण प्रविधि का उपयोग किया गया।

न्यादर्श तथा न्यादर्शन प्रविधि :–

प्रस्तुत अध्ययन में उद्देश्यपरक न्यादर्शन प्रविधि द्वारा 100 मुस्लिम छात्राओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया।

उपकरण :–

प्रस्तुत अध्ययन में छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को ज्ञात करने के लिए उपलब्ध मानसिक स्वास्थ्य उपकरण का उपयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियां :–

अध्ययन से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सांख्यिकीय प्रविधि का उपयोग किया जाएगा तथा उसी के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में सर्वेक्षण से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए निम्न सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

- प्रतिशत
- कार्ल पियर्सन गुणांक सहसम्बन्ध

प्रदत्तों का विश्लेषण :–

प्रस्तुत अध्याय में प्रदत्तों का विश्लेषण प्रत्येक उद्देश्य के सन्दर्भ में पृथक–पृथक किया गया है–

शोध प्रश्न 1– मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का स्तर कैसा होगा ?

उद्देश्य 1– मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना।

प्रस्तुत उद्देश्य हेतु चयनित छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया गया तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य को तीन स्तरों में विभाजित किया है –z प्राप्तांक सीमा के अनुसार उनको स्तर में रखा गया जिसमें +2.01 से ऊपर प्राप्तांको को उच्च स्तर –0.50 से +2.00 प्राप्तांको को मध्यम स्तर तथा –1. 25 से –0.51 से नीचे के सभी प्राप्तांको को निम्न स्तर में रखा गया है। परिणामों को तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका–1

छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य स्तर

क्र0सं0	मानसिक स्वास्थ्य का स्तर	(N) छात्राओं की संख्या	प्रतिशत %
1	उच्च	16	16%
2	मध्यम	70	70%
3	निम्न	14	14%

विश्लेषण–उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि 16% छात्राएँ ऐसी है जिन्हें उच्च स्तर के प्राप्तांक प्राप्त हुए है। उनका मानसिक स्वास्थ स्तर उच्च है 70% छात्राएँ ऐसी है। जिनको मध्यम स्तर के प्राप्तांक प्राप्त हुए है उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा स्तर का है तथा 14% छात्राएँ ऐसी है जिनको निम्न स्तर के प्राप्तांक प्राप्त हुए है जिनका मानसिक स्वास्थ्य निम्न स्तर का है।

शोध प्रश्न–2 मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के अकादमिक उपलब्धि का स्तर कैसा होगा?

उद्देश्य –2 मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के अकादमिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

प्रस्तुत उद्देश्य हेतु चयनित छात्राओं के कक्षा 9^{th} के परिणाम को लिया गया उनके प्राप्तांको के अनुसार उनको तीन (उच्च / मध्यम / निम्न) स्तरों में विभाजित किया गया है। इस प्रकार 700–467 प्राप्त

प्राप्तांक छात्राओं को उच्च स्तर में रखा गया है। 466–234 प्राप्त प्राप्तांक छात्राओं को मध्यम स्तर में रखा गया हैद्य तथा 233–00 प्राप्त प्राप्तांको छात्राओं को निम्न स्तर में रखा गया है–

तालिका–2

छात्राओं का शैक्षिक उपलब्धि का स्तर

क्र0सं0	शैक्षिक उपलब्धि का स्तर	(N) छात्राओं की संख्या	प्रतिशत %
1	उच्च	22	22%
2	मध्यम	62	62%
3	निम्न	16	16%

विश्लेषण–उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि 22% छात्राएँ ऐसी है जिन्हें उच्च स्तर पर प्राप्तांक प्राप्त हुए है 62% छात्राएँ ऐसी है जिनको मध्यम स्तर पर प्राप्तांक प्राप्त हुए है तथा 16% छात्राएँ ऐसी है जिनको निम्न स्तर का प्राप्तांक प्राप्त हुआ है।

उद्देश्य–3 मदरसा में अध्ययनरत छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन करना।

प्रस्तुत उद्देश्य हेतु चयनित चरों के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन किया गया है, जिसमें पियर्सनगुणांक सहसम्बन्ध के माध्यम से (r) मान निकल लिया गया तथा उसके परिकल्पना की सार्थकता को जांच लिया गया है–

तालिका–3

मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध

चर	r value	टिप्पणी
छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध	0.028	.05 पर सार्थक संबंध नहीं है

विश्लेषण–उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि r मान 0.028 है df = 98 पर 0.05 स्तर पर 100 का सारणी मान .164 है इस प्रकार सारणी मान गणना मान से अधिक है।अतः छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा अकादमिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक संबंध नहीं है इस प्रकार परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्ष :–

सारणी संख्या–1 के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि मदरसा में अध्ययनरत अधिकांशतः छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य औसत स्तर का है सारणी संख्या– 2 के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है कि अधिकतर छात्राओं का शैक्षणिक प्रदर्शन औसत स्तर का है, जबकि कुछ छात्राएँ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और कुछ को सुधार की आवश्यकता है। सारणी संख्या– 3 के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त होता है

चूँकि गणना किया गया त मान सारणी मान से कम है इसलिए यह संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं पाया गया। अतः यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।

शैक्षिक निहितार्थ :–

इस अध्ययन का प्रयोग शिक्षा के सभी क्षेत्रों किया जा सकता हैं। इस अध्ययन के महत्व को शिक्षकों, विद्यार्थियों, एवं अभिभावकों के दृष्टिकोण से देख सकते है शिक्षक छात्राओं के अधिगम क्षमता को बढ़ावा दे सकते है शिक्षा में खेल तथा अन्य पाठ्य सहगामी क्रियाओं के द्वारा विद्यार्थियों के रुचि के विषय में जानकारी प्राप्त करके कक्षा शिक्षा को उनके अनुरूप बना सकते है जिससे उनके शैक्षिक स्तर में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव उनके शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है। जो उनके समायोजन क्षमता, रुचि, तथा अभिवृति को प्रभावित करता है इसके सहायता से विद्यार्थी स्वयं के अधिगम क्षमता में सुधार ला सकते है। विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरूप शिक्षा का सही चुनाव करके अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते है। अभिभावक विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि स्तर में सुधार कर सकते है। उनके रूचि क्षमता तथा योग्यता को समझ कर उनको सकारात्मक रूप से बढ़ावा दे सकते हैं।जो विद्यार्थियों को सहयोगात्मक वातावरण प्रदान कर सकते है।

संदर्भ सूची :–

मुमताज, एन. ठाकुर, जे. एवं गजपाल, एल. (2024). नगरीय परिवेश में मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा की स्थिति (छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के विशेष संदर्भ में). *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस इन सोशल साइंसेज,5*(2). https://www.ijassonline.in/AbstractView.aspx?PID=2017-5-2-5

फात्मा, आर. (2011). मुस्लिम क्षेत्रों में स्त्रियों के पिछड़ेपन के कारण का तुलनात्मक अध्ययन. लखनऊ विश्वविद्यालय, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश.

हुसैन, एस. अहमद, जी. एवं नेहाल, जी. (2024). सामाजिक आर्थिक हाशिए की चुनौतियां : भारत के बिहार के किशनगंज जिला में मदरसा का एक अध्ययन. *इंटरनेशनल ओपन एक्सेस प्री–रेव्यूड जर्नल, 2*(10). https://www-ijcrt-org/papers/IJCRT24A4858-pdf

दृष्टि : द विजन (19 oct. 2024). शिक्षा प्रणाली में मदरसा की भूमिका. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/role-of-madarsa-in-education-system